Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

भूगोल

भारत भौतिक पर्यावरण

अध्याय-3 : अपवाह तंत्र

भाग - 2

अपवाह तंत्र-II

ओम प्रकाश खोजा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. अपवाह तंत्र-I
2. अपवाह तंत्र-II
3. भारत के अपवाह तंत्रों का विकास
4. सिंधु नदी तंत्र
5. गंगा नदी तंत्र
6. ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र
7. प्रायद्वीपीय नदी तंत्र
8. नदी जल उपयोग सीमा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जल-संभर क्षेत्र के आकार के आधार पर अपवाह क्षेत्र

जल-संभर क्षेत्र के आकार के आधार पर भारतीय अपवाह द्रोणियों को तीन भागों में बाँटा गया है :

- प्रमुख नदी द्रोणी
- मध्यम नदी द्रोणी
- लघु नदी द्रोणी

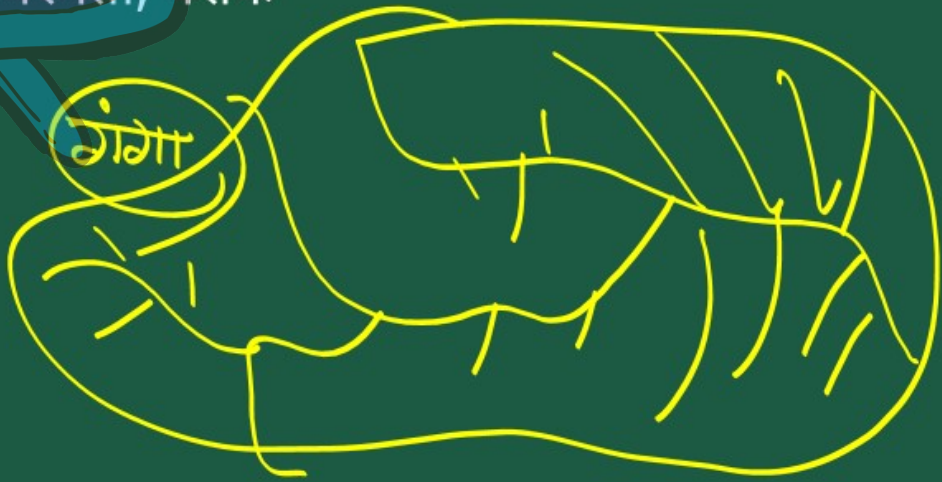
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



प्रमुख नदी द्रोणी

- अपवाह क्षेत्र 20,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक
- 14 नदी द्रोणियाँ
- गंगा, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, तापी, नर्मदा, माही, पेन्नार, साबरमती, बराक



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मध्यम नदी द्रोणी



अपवाह क्षेत्र 2,000 से 20,000 वर्ग किलोमीटर

44 नदी द्रोणियाँ

कालिंदी, पेरियार, मेघना

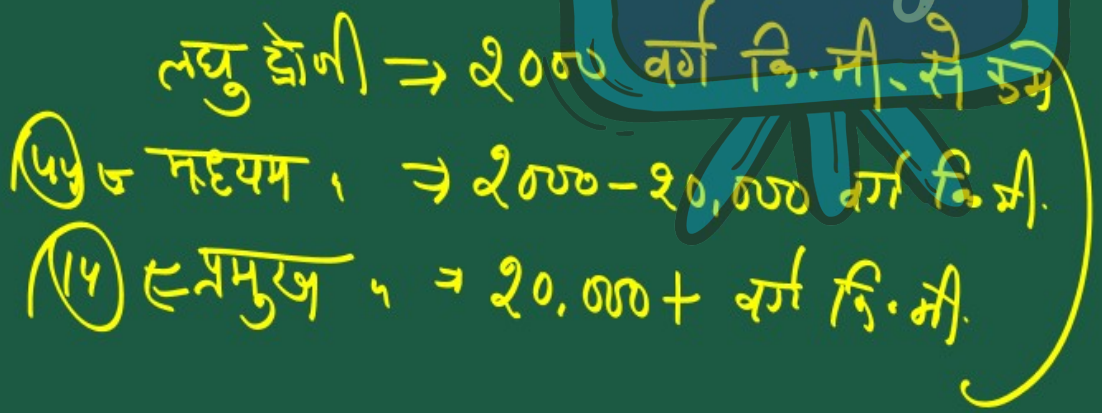
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लघु नदी द्रोणी

भारतीय मरुस्थल

- अपवाह क्षेत्र 2 000 वर्ग किलोमीटर से कम।
- इसमें न्यून वर्षा के क्षेत्रों में बहने वाली बहुत सी नदियाँ शामिल हैं।



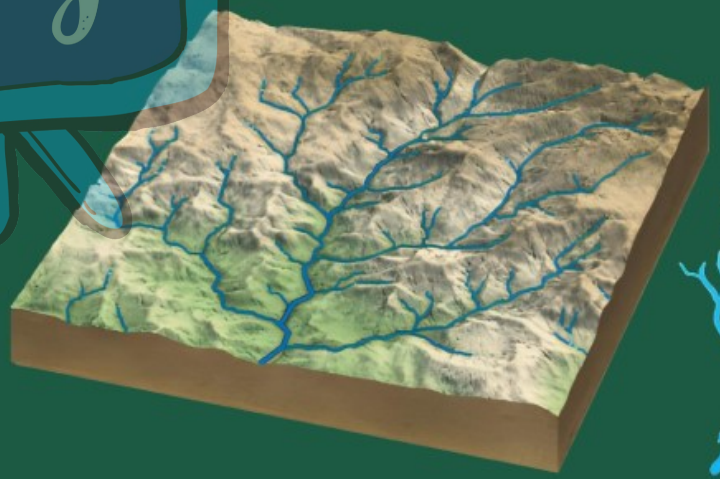
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मुख्य अपवाह प्रतिरूप

वृक्षाकार प्रतिरूप

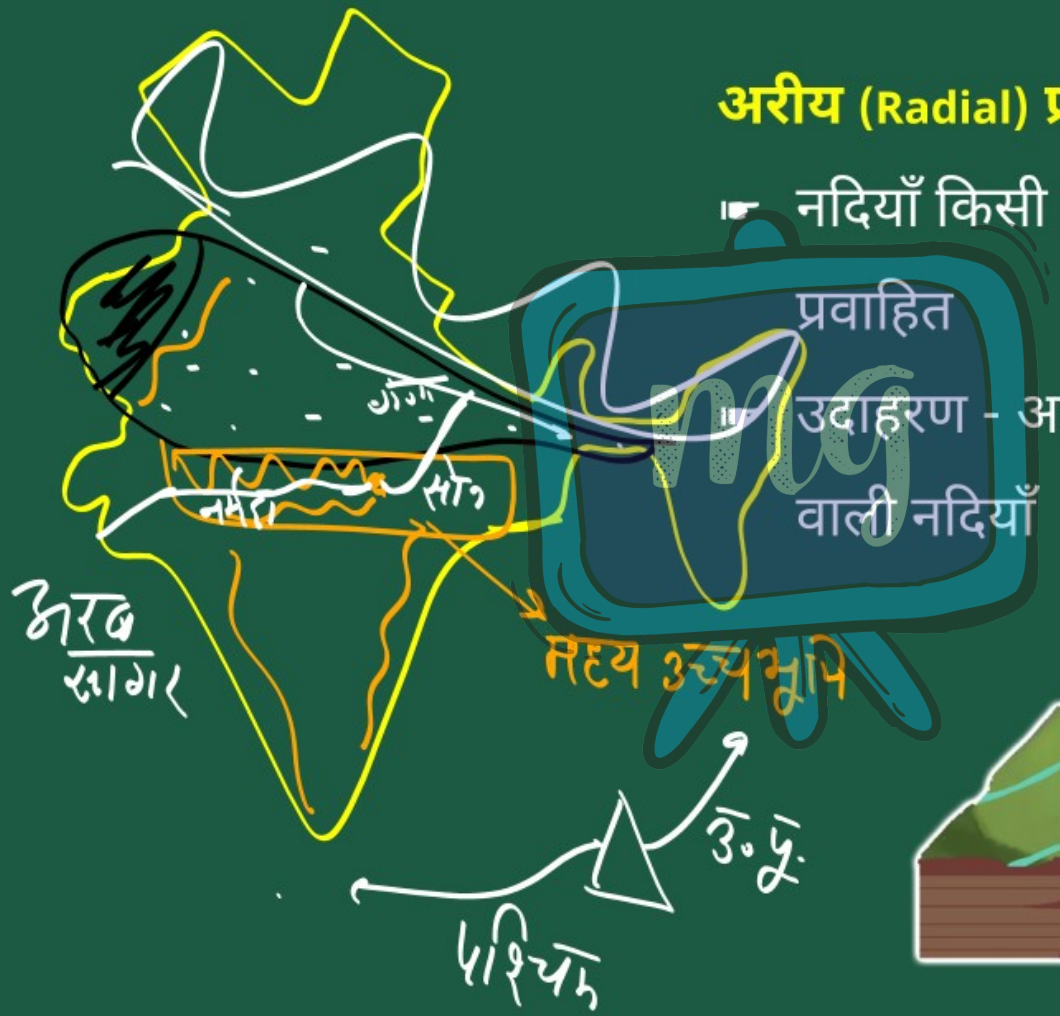
- पेड़ की शाखाओं के अनुरूप
- उदाहरण – उत्तरी मैदान की नदियाँ





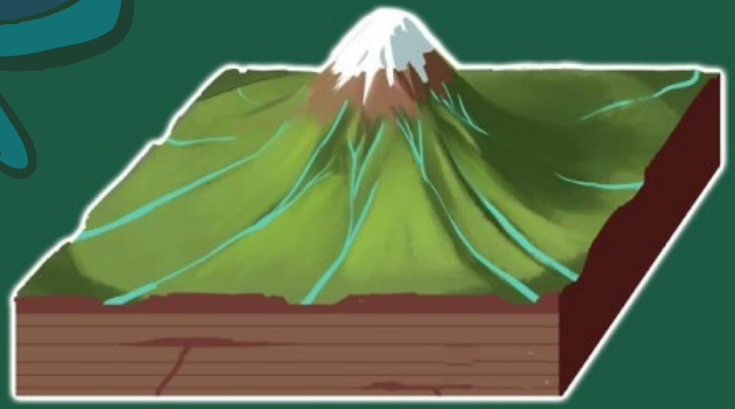
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



अरीय (Radial) प्रतिरूप

- नदियाँ किसी पर्वत से निकलकर सभी दिशाओं में प्रवाहित
- उदाहरण - अमरकंटक पर्वत श्रृंखला से निकलने वाली नदियाँ



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जालीनुमा (Trellis) अपवाह प्रतिरूप

- मुख्य नदियाँ एक-दूसरे के समांतर प्रवाहित
- सहायक नदियाँ उनसे समकोण पर मिलती हों,

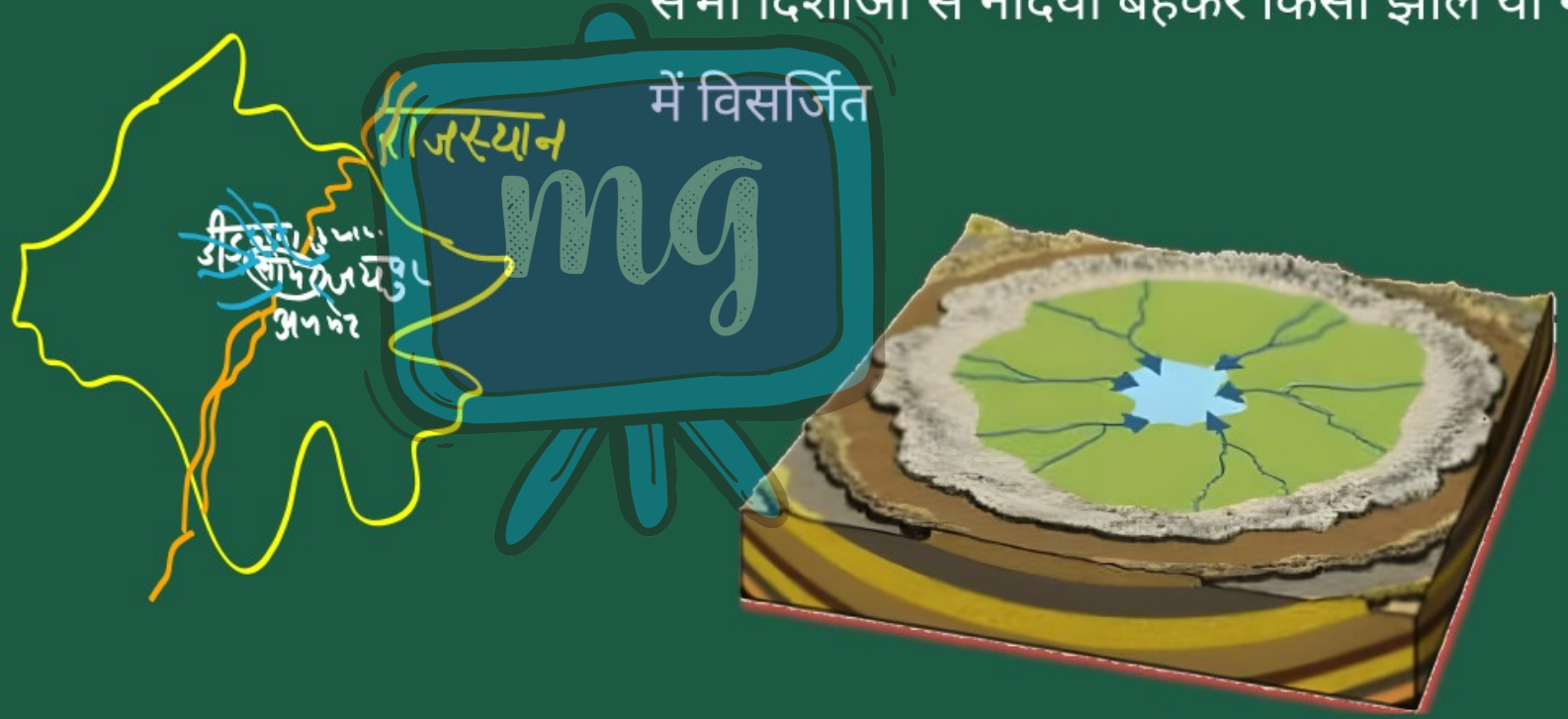


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अभिकेंद्री (Centripetal) प्रतिरूप

सभी दिशाओं से नदियाँ बहकर किसी झील या गर्त में विसर्जित



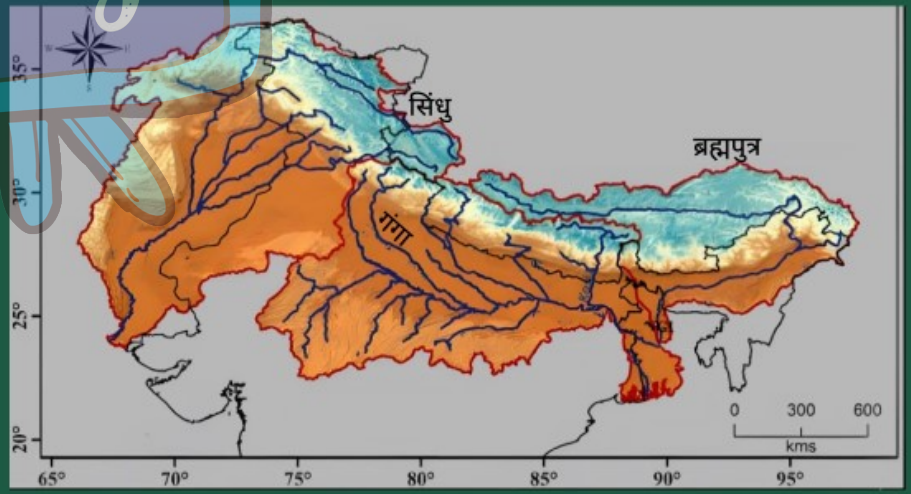
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नदियों के उद्गम स्त्रोत

हिमालय पर्वत

सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, व्यास, सतलुज, गंगा, यमुना, शारदा, घाघरा, गंडक, कोसी, ब्रह्मपुत्र



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



पश्चिमी घाट

- प्रायद्वीपीय पठार की बड़ी नदियों का उद्गम स्थल
- बंगाल की खाड़ी अपवाह तंत्र की नदियाँ

नोट

नर्मदा व तापी दो बड़ी – प्रायद्वीपीय नदियाँ, इसका अपवाद है जो अपना जल अरब सागर में ले जाती हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1. भारत की नदी द्रोणियों का विभाजन
2. भारतीय नदियों के मुख्य अपवाह प्रतिरूप

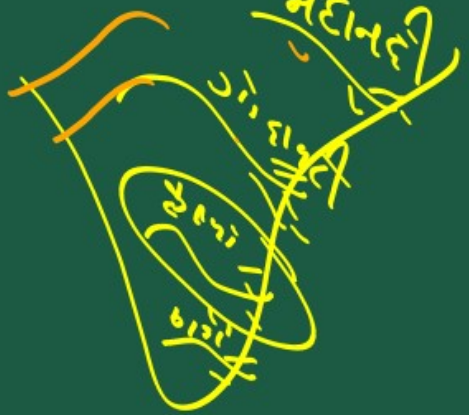
1 कृष्णा नदी कौनसी अपवाह द्राणी का हिस्सा है?

अ प्रमुख नदी द्रोणी

ब मध्यम नदी द्रोणी

स लघु नदी द्रोणी

द इनमें से कोई नहीं



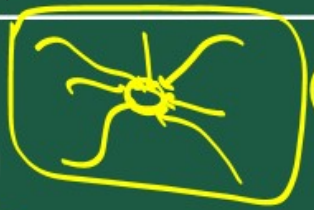
2 उत्तरी मैदान की नदियाँ किस अपवाह प्रारूप का उदाहरण हैं?

अ अभिकेन्द्रीय

ब अरीय

स वृक्षाकार

द इनमें से कोई नहीं







3 नर्मदा नदी अपना जल विसर्जित करती हैं-

अ गंगा में

ब अरब सागर में

स बंगाल खाड़ी में

द तापी में

